8. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए। (10×3=30)

Write short notes on any three of the following:

(क) रस की अलौकिकता

(ख) रसाभिव्यक्ति में चित्त की अवस्थाएँ

(ग) साधारणीकरण

(घ) भरत

(ङ) मम्मट

(च) आचार्य भरत के अनुसार रसों की संख्या

(छ) अनुकार्य, अनुकर्ता, सामाजिक

July 2023

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 2090 F

Unique Paper Code : 2135001003

Name of the Paper : Indian Aesthetics

Name of the Course : B.A.(Prog.) GE

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. **Attempt 5 questions, Question no. 8 is compulsory.**
3. Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रश्न संख्या 8 अनिवार्य हैं।

3. अन्यथा आवश्यक न होने पर, प्रश्न पत्र के उत्तर संस्कृत या हिंदी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. सौन्दर्य के समानार्थक **किन्हीं चार** पदों पर निबन्ध लिखिए। (15)

Write an essay on **any four** synonyms of saundarya.

2. सौन्दर्य को परिभाषित करते हुए इसके महत्त्व को स्पष्ट कीजिए । (15)

Define saundarya and explain its importance.

3. रस की आनंदमयता से आप क्या समझते है, स्पष्ट कीजिए । (15)

What do you understand by the concept of eternal bliss (anandamayata) of Rasa.

4. रसानुभूति की प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए । (15)

Explain theprocess of rasa realization.

5. सौन्दर्याभिव्यक्ति में ललित कलाओं की उपयोगिता को स्पष्ट कीजिए। (15)

Explain the usefulness of fine arts in aesthetic expression.

6. ध्वनि एवं वक्रोति पर विवेचनात्मक टिप्पणी लिखिए। (15)

Write a critical note on Dhvani and Vkrokti.

7. भारतीय सौन्दर्यशास्त्र की दृष्टि से अभिज्ञानशाकुन्तलम् की समीक्षा कीजिए। (15)

Discuss the abhijnanshakuntalam in the context of Indian aesthetic.